तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 9 .8 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 9 फरवरी 2025

11 हैप्पी चाइल्ड स्कूल में बच्चों को किया सम्मानित

12 प्रदर्शनी में वर्किंग मॉडल प्रस्तुत कर दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

गन्नौर : आज दो घंटे तक बिजली बाधित रहेगी

गन्नौर। 33 केवी पावर हाउस गन्नौर में मेंटेनेंस के कार्य के चलते रविवार को शहर व दो गांवो में दो घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। शहरी एसडीओ सचिन दहिया ने बताया कि गन्नौर पावर में मेंटेनेंस के कार्य के चलते रविवार को सुबह आठ से दस बजे तक गन्नौर मंडी, गढ़ी केसरी, गन्नौर गांव, जीटी रोड के अलावा पांची गुजरान व गढ़ी कला गांव में की बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार, केस

सोनीपत। क्राइम यूनिट सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने अवैध हथियार की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नितिन निवासी बिंदरौली सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरास में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सहायक उप निरीक्षक संदीप की टीम गत 7 फरवरी को गश्त के दौरान गांव बरोटा के पास मौजूद थी। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक युवक अवैध हथियार सहित आने वाला है। टीम ने उसी दौरान छापेमारी करके युवक को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास देशी पिस्तौल बरामद किया। आरोपित के खिलाफ संबंधित क्षेत्र थाना कुंडली में मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी सिपाही अजय ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महिला की सोने की बालियां व अंगूठी चोरी

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में ऑटो में सवार महिला की बालियां व अंगूठी के चोरी होने का मामला सामने आया है। महिला ने जेवरात चोरी करने का आरोप दो व्यक्तियों पर लगाया है। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

शहर के प्रेम नगर निवासी राजदुलारी ने बताया वह ककरोई रोड से ऑटो में सवार होकर गुड मंडी स्थित निजी अस्पताल में जा रही थी। जिसमें पहले से दो व्यक्ति सवार थे। वह ऑटो से रेलवे पुल के नीचे उतर गई। जब अपने बैग की जांच की तो उसमें से सोने की आठ ग्राम की अंगूठी और छह ग्राम की कानों की बालियां गायब मिली। उसे शक है कि ऑटो सवार व्यक्तियों ने चोरी की है। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उपायुक्त ने एनएचएआई अधिकारियों के साथ किया एनएच-44 को दौरा, दिए निर्देश

भिगान टोल होगा जाम मुक्त, सुबह-शाम लगेंगी अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी

- जीटी रोड पर ड्रेन नंबर 8 के पुल पर बनाई जा रही सर्विस लेन के कार्य को जल्द करवाएं पूरा ताकि जाम न लगे
- उपायुक्त ने भिगान टोल से 200 मीटर दोनो साइड में लगवाएं आईपी कैमरे, ताकि जरूरत पड़ने पर जांच की जा सके
- हादसे रोकने के लिए बहालगढ़, मुरथल, सेक्टर-7, कुण्डली व अन्य जगहों पर सर्विस लाइन पर बनाए जा ब्रेकर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने शुक्रवार को एनएचएआई के पीडी जगभूषण व अन्य अधिकारियों के साथ एनएच-44 (जीटी रोड) को दौरा करते हुए उन्होंने हाइवे पर चल रहे कार्यों को तेजी से पूरा करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त ने ड्रेन नंबर-8 के पुल पर बनाई जा रही सर्विस लेन के कार्यों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्य को तुरंत पूरा करें ताकि लोगों को जाम की स्थित से मुक्ति मिले और न ही कोई सड़क दुर्घटना हो।

दौरे से पहले उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कैंप कार्यालय में एचएचएआई, नगर निगम व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिला से गुजरने वाले नेशनल हाइवे से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने भिगान टोल के कर्मचारियों के व्यवहार की निंदा करते हुए सख्त निर्देश दिए कि वे वहां से गुजरने वाले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करें। इसके अलावा टोल पर देखा गया है कि लंबी-लंबी लाईन लगी रहती है, जिससे लोगों को काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता है। उपायुक्त ने कहा कि एनएच-44 पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बहालगढ़, मुरथल, सेक्टर-7, कुण्डली के आस-पास व अन्य जगहों पर सर्विस लेन पर ब्रेकर बनाए जाए ताकि एचएच-44 पर चढ़ते समय पीछे से आ रहे वाहनों की स्पीड कम हो सके और सड़क दुर्घटना न हो। इसके अलावा जीटी रोड़ पर कई जगह जंपर व गढ्ढे हो गए है, जिन्हें तुरंत ठीक करवाना सुनिश्चित करें।

गोहाना से सोनीपत तक बनाएं जा रहे नेशनल हाईवे को बनाने वाली कंपनी कार्य पर गहरी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने कहा कि इस कार्य को तेजी से पूरा करवाएं अन्य संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने जाहरी, लाठ जोली में बन रहे फ्लाईओवर की स्थिति का जायजा लिया और कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ढाबों के गंदे पानी को मुरथल में बनाए गए एसटीपी तक पहुंचाने के लिए जीटी रोड़ के नीचे से गुजरने वाली सीवरेज लाई के कार्य को तेजी से पूरा करवाएं ताकि ढाबों का गंदा पानी आसानी से एसटीपी तक पहुंच सके और सडक़ पर गंदा पानी इकट्ठा न हो।

बैठक में उन्होंने ककरोई रोड़ को लेकर अधिकारियों के साथ बातचीत कर समाधान निकालते हुए निर्देश दिए कि जब तक इसका स्थाई समाधान नहीं होता तब तक इस रास्ते को ब्लॉकिंग टाईलों से अच्छी तरह पक्का करवाएं ताकि यहां से ककरोई जाने वाले लोग आसानी से गुजर सके। इस मौके पर एनएचएआई के पीडी जगभूषण, नगर निगम के एसई डॉ० विजय, जनस्वास्थ्य विभाग के एसई राजीव गुप्ता सहित संबंधित सभी अधिकारी व नेशनल हाईवे का निर्माण करने तथा टॉल का संचालन करने वाली कंपनियों के अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोनीपत। नेशनल हाइवे का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त व अन्य अधिकारी।

स्कैनर बदलने के निर्देश

उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि भिगान टोल को जाम मुक्त बनाने के लिए सुबह और शाम अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए, अन्यथा भविष्य में अगर टोल पर जाम की स्थित उत्पन्न हुई तो टोल का संचालन करने वाली कंपनी पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके अलावा टोल के 200 मीटर दोनों साईड आईपी कैमरे लगवाएं जाए ताकि जरूरत पड़ने पर कैमरों की मदद से स्थिति का जायजा लिया जा सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत मिली है कि भिगान टोल पर जो सेंसर सिस्टम लगाया गया है वह पुराना हो गया है, जिससे वाहनों के फास्टटेग को स्केन करने में देरी होती है, जिससे जाम की स्थित उत्पन्न होती है इसलिए इस स्केनर सिस्टम का बदलकर अच्छा सिस्टम लगाना सुनिश्चित करें।

कैंटर चालक ने मोपेड सवार को कुचला, मौत

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में सोनीपत-रोहतक सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कैंटर ने मोपेड को चपेट में ले लिया। हादसे में मोपेड सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे निजी अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेक पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। विशाल नगर निवासी सुनील ने बताया कि उसका भाई राजेश (50) फेरी का काम करता था। वह कच्चे क्वार्टर में फेरी का काम खत्म करके वापस मोपेड पर लौट रहा था। वह सोनीपत-रोहतक फ्लाईओवर पर पहुंचा।

जहां तेज रफ्तार कैंटर ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी पविंद्र ने बताया कि मृतक के भाई के बयान पर कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

शहर को जाममुक्त बनाने के लिए पुलिस व व्यापारियों ने किया मंथन

सोनीपत। शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए शनिवार को मिशन चौक सोनीपत पर सोनीपत पुलिस प्रशासन व जिला व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों की मीटिंग हुई। जिसमें पुलिस की तरफ से डीसीपी वेस्ट क्राइम व ट्रैफिक नरेन्द्र कादियान, डीसीपी गोहाना रविन्द्र तोमर, एसीपी राहुल देव, सिटी एसएचओ महेश कुमार, ट्रैफिक एसएचओ देशराज मौजूद रहे। वहीं व्यापारियों की तरफ से जिला व्यापार मंडल सोनीपत के चेयरमेन संजय वर्मा, प्रधान संजय सिंगला, शहरी कार्यकारी अध्यक्ष पवन तनेजा, मिशन चौक मार्केट प्रधान रामनारायण गोयल,राकेश गोयल, ललित गोयल, राकेश जैन, सुभाष गुप्ता आदि शामिल रहे।

मीटिंग में डीसीपी नरेन्द्र कादियान ने तिरंगा चौक, ककरोई चौक, मिशन चौक, फ्लाई ओवर के नीचे और गीता भवन चौक पर लगने वाले जाम के बारे विचार विमर्श किया और व्यापारियों से सुझाव मांगे। इसके साथ ही उन्होंने शुक्रवार से मिशन रोड की तरफ से फ्लाईओवर पर टू व्हीलर की लगी रोक को व्यापारियों के आवेदन पर हटा दिया और पहले की तरह

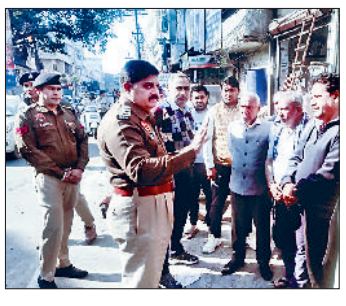

टू व्हीलर के लिये रास्ता खोल दिया। इसके अलावा व्यापारियों द्वारा दिए गए कई सुझाव पर मौके पर ही अमल करने के आदेश दे दिए। सोमवार से जिला व्यापार मंडल के सहयोग से अतिक्रमण के खिलाफ मुहिम चलाने के आदेश दिए एवं साथ में संजय सिंगला की सलाह पर लड़कियों के कॉलेज के बाहर महिला पुलिस लगाने के आदेश दिए व रोड पर अवैध पार्किंग की गाड़ियों के चालान करने के आदेश दिए। जिला व्यापार मंडल के प्रधान ने भी सभी व्यापारियों को अपनी दुकान के बाहर कम से कम सामान निकालने व रेहड़ियों को बिल्कुल सटाकर लगवाने की अपील की।

प्रधानमंत्री करेंगे परीक्षा पर चर्चा दिखाया जाएगा लाइव प्रसारण

सोनीपत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परीक्षा के तनाव को कम करने, बेहतर तरीके से परीक्षा देने और उसमें सफल होने का मूल मंत्र देंगें। कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिये आयोजित किए जा रहे परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को लेकर शिक्षा विभाग ने विशेष तैयारियां की है। जिसके तहत प्रधानमंत्री विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों से बातचीत करेंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में पत्र जारी कर प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 10 फरवरी को सुबह 11 बजे से एजुसेट, विभिन्न हिंदी टीवी चैनलों व डिजिटल मीडिया पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों के साथ बातचीत कार्यक्रम का यह आठवां संस्करण रहेगा। कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह बना हुआ है। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया का कहना है कि इस संबंध में डाइट प्राचार्य, खंड शिक्षा अधिकारियों, सभी सहायक परियोजना समन्वयक, बीआरसी, एबीआरसी व सभी स्कूल प्राचार्यों को अवगत कराते हुए कार्यक्रम देखने व सुनने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम विद्यार्थियों को लाइव दिखाया जाएगा। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

विभाग ने शिक्षकों की ड्यूटी लगाई

जिले के सभी वरिष्ठ माध्यमिक, उच्च व माध्यमिक विद्यालयों में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को दिखाया जाएगा। इस संबंध में डाइट प्राचार्य, एपीसी, सभी बीईओ व प्राचार्यों को अवगत करा दिया गया है। कार्यक्रम को लेकर स्कूलों में व्यवस्था पूरी कर ली गई है।
-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

सोनीपत। पुलिस विभाग की तरफ से पुलिस लाइन सोनीपत में आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। विभाग की तरफ से पुलिस लाइन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों पर पुलिस की टीमें हर गली, चौक–चोराहों, स्कूल कॉलेजों व झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर नशे के दुष्परिणामों बारे जागरूक कर रही है। इसी अभियान को और आगे ले जाने की कड़ी में सहायक पुलिस आयुक्त शहर राहुल देव ने आज शिवा शिक्षा सदन स्कूल सोनीपत में छात्र, छात्राओं व स्टाफ को नशे के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता अभियान के दौरान पुलिस टीम ने लोगों को नशे के खिलाफ इस जंग में शामिल होने का आह्वान किया। सहायक पुलिस आयुक्त राहुल देव ने बताया कि समाज में अधिकांश अपराध नशे के कारण ही हो रहे है। शराब ,गुटखा, सिगरेट, बीड़ी, खैनी आदि का चलन बढ़ रहा है। पहले युवा नशा शौक के कारण करता है और बाद मे धीरे धीरे वह अन्य नशे हेरोईन, अफीम, पोस्त आदी जानलेवा नशे लेना शुरु कर देता है। बाद में नशे की लत पड़ने पर उसका जीवन बर्बाद हो जाता है। नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ्य के साथ साथ धन की हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्बाद हो चुके है। नौजवान बच्चे शौक शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए क्राइम का सहारा लेते हैं जिसमें नौजवान चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते है। जिसके कारण उनकी हंसती खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है । नशे से शुरुआत में ही लड़ना जरूरी है।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे एसीपी का स्वागत करते आयोजक।

स्पा सेंटर में देह व्यापार का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार दो विदेश महिलाओं सहित चार को संरक्षण में लिया

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल थाना क्षेत्र के गांव कुराड़ के पास स्थित स्पा सेंटर में छापा डालकर मुरथल एसीपी की टीम ने देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने स्पा सेंटर संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही से दो विदेशी महिलाओं समेत चार महिलाओं को संरक्षण में लिया है। गिरफ्तार आरोपित अतिशय जैन, सुमित, संदीप व ग्राहक विनय को अदालत में पेश किया। जहां से अतिशय जैन को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। वहीं सुमित व संदीप को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ग्राहक विनय को जमानत मिल गई। महिलाओं को जानकारी लेने के बाद छोड़ दिया गया। एसीपी अजीत सिंह से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस उपायुक्त कार्यालय में शिकायत आई थी कि कुराड़ 51 माइल स्टोन स्थित भवन की तीसरी मंजिल पर दा रेबॉर्न स्पा में देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। जिस पर शुक्रवार रात को एएसआई किशोर को बोगस ग्राहक भेजा गया। उसके बाद उनके साथ मुरथल थाना प्रभारी राजीव कुमार, एसआई बबली, महाबीर, एएसआई संदीप व मेनका और अन्य के साथ छापा डाला गया। टीम को स्पा सेंटर के अंदर संचालक सोनीपत निवासी निवासी अतिशय जैन मिला। उसको साथ लेकर जांच की तो एक कमरे में युवक-युवती आपत्तिजनक हालत में मिले।

तीन अन्य युवती भी अलग कमरे में बैठी मिली। कमरे में मिले युवक की पहचान विनय के रूप में हुई। पुलिस ने वहां से मैनेजर सुमित व कर्मी संदीप को भी गिरफ्तार कर लिया। युवतियों को पुलिस ने संरक्षण में लिया। उनमें दो युवती थाइलैंड की मिली। चारों की जानकारी लेने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित स्पा सेंटर में आने वालों ग्राहकों से एक हजार से डेढ़ हजार रुपये लेते थे। आरोपित युवतियों को प्रति ग्राहक 500 रुपये देते थे। युवतियों ने बताया है कि वह मजबूरी में यह काम करती थी। स्पा मालिक उनके कागजात व मोबाइल अपने पास रख लेता था। बाद में जाते हुए वह कागजात व मोबाइल दे देता था। उसके बाद दूसरे ग्राहक आने पर उनसे संपर्क करता था।

महिलाओं को पूछताछ करने के बाद छोड़ा

कार्यालय में देह व्यापार की शिकायत मिली भी। इस मामले में टीम का गठन करके छापामार कार्रवाई की गई। जिसमें संचालक सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं चार महिलाओं को संरक्षण में लेने के बाद उनकी जानकारी लेकर छोड़ दिया। आरोपितों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। देह व्यापार किसी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा।
अजीत सिंह, एसीपी

मारपीट की घटना में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने मारपीट करने की घटना में संलिप्त आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित आदर्श नगर निवासी अजय उर्फ साहिल पुत्र रामनिवास है। राहुल पुत्र पालेराम ने 7 फरवरी को थाना शहर गोहाना में मारपीट की शिकायत दी थी। उनके अनुसार 6 फरवरी को वह घर का सामान लेने मंडी गया था और उसकी पत्नी घर पर अकेली थी। जब वह सामान लेकर घर वापस आया तो साहिल, देवा, ढोंगी उर्फ सचिन और अन्य उसकी पत्नी के साथ मारपीट कर रहे थे। जब वह अपनी पत्नी को बचाने लगा तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की और चाकू, कुल्हाड़ी व जेली से हमला करदिया। रामनिवास व उसकी पत्नी ने पत्थर बरसाए। राहुल के अनुसार उसके भाई अजय पर भी डंडो व ईंटो से हमला किया गया। साहिल और उसके तीन दोस्तों ने हमे जान से मारने की धमकी भी दी।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने बड़ी मात्रा में अवैध पेट्रोल और डीजल किया बरामद

खरखौदा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर खुर्मपुर गांव में एक गोदाम पर छापा मारा, जहां से बड़ी मात्रा में अवैध रूप से रखा पेट्रोल और डीजल बरामद हुआ। इस मामले में उप निरीक्षक अजीत सिंह ने संदीप और प्लॉट मालिक बलवान के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सूचना के आधार पर पुलिस और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने खुर्मपुर गांव स्थित एक प्लॉट में छापा मारा। वहां मौजूद गढ़ी हकीकत निवासी संदीप ने मौके पर मिले पेट्रोल-डीजल को अपना बताया, लेकिन जब टीम ने लाइसेंस मांगा तो वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में सात ड्रम पेट्रोल, आधा ड्रम डीजल और आधा ड्रम अतिरिक्त पेट्रोल बरामद हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ का अवैध भंडारण खतरनाक हो सकता था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह तेल कहां से लाया गया था और इसे कहां बेचा जाना था। फिलहाल संदीप और बलवान के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

शराब के नशे में पिया जहरीला पदार्थ पूर्व फौजी की उपचार के दौरान मौत

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव भठगांव डुंगरान में शराब के नशे में पूर्व फौजी ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। तबीयत खराब होने पर परिजन उसे निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव भठगांव डूंगरान निवासी रामसिंह (80) फौज से रिटायर्ड कर्मचारी था। परिजनों ने पुलिस से बताया कि अक्सर शराब पीता था। शराब के नशे में कुछ जहरीला पदार्थ पी लिया। जिससे उसकी तबीयत खराब होने लगी। उसे लेकर निजी अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी तरूण ने बताया कि मृतक के बेटे रणबीर के बयान पर कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाकर सौंपा दिया है।

बारोटा : घर में घुसकर मारपीट, केस दर्ज

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव बारोटा में घर के अंदर घुसकर मकान मालिक व किराएदारों से पीट-पीटकर घायल करने के आरोप का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने उनके मोबाइल फोन भी तोड़ दिए। पीड़ितों ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव बरोटा निवासी संजीव ने बताया कि उसने गांव में अपनी जमीन पर किराए के लिए कमरे बना रखे है। गांव के रहने वाले टीनू, नितिन, अमन, कालू उसके मकान के अंदर घुस आए। उसके बाद कमरों में रहने वाले किरायेदारों पर हमला कर दिया। उन पर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। इस संबंध में वह मदद के लिए फोन करने लगा तो आरोपितों ने उनके मोबाइल भी जमीन पर पटक कर तोड़ दिए। सूचना के बाद वह मौके पर पहुंचे और आरोपितो से उनको छुड़वाया। मारपीट में रूकशान अली, मीर हुसैन नूर मोहमद मोइन अली, समीर अली घायल हो गए। इस दौरान आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
■ मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफ:	-19.73%
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	-14.02%
■ एबीएसएल स्मॉल कैप फंड:	-13.65%
■ बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंड:	-13.30%
■ फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंड:	-13.06%
■ डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्स:	-12.94%
■ महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड:	-12.89%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-12.73%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.63%
■ आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.59%
■ एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.57%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.56%
■ निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.51%
■ एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफ:	-12.46%

■ एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स:	-12.46%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	-11.52%
■ एसबीआई स्मॉल कैप फंड:	-11.42%
■ कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.02%
■ एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स:	-11.01%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	-10.86%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	-10.55%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	-10.15%
■ कोटक स्मॉल कैप फंड:	-10%
■ यूनियन स्मॉल कैप फंड:	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
■ क्वांट स्मॉल कैप फंड:	35%
■ निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	30.64%
■ इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड:	29%
■ टाटा स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड:	28%
■ एडलवाइस स्मॉल कैप फंड:	27.76%
■ फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27.61%
■ एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड:	27.58%
■ बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंड:	27%
■ एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड:	26.76%
■ केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंड:	25.67%
■ आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंड:	25.35%

(डिस्क्लेमर: किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाइब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूजन्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

ब्लाइंड मर्डर: ईख के खेत में छुपाया था शव

अवैध संबंधों में हत्या गाड़ी में दबाया था गला

पुलिस ने वारदात में शामिल दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

एसएजी यूनिट सेक्टर-7 टीम ने युवक की हत्या करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित दिनेश व प्रदीप निवासी खेड़ी तगा के है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने युवक के शव का कंकाल ईख के खेत से बरामद किया था।

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपित पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

गांव बख्तावरपुर निवासी एक महिला ने गत 28 नवंबर को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि उसका पति केशव नीलकंठ ढाबे पर काम करता था। वह घर पर नहीं आ रहा था। अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस ने मामले में हत्या की वारदात का खुलासा किया था। वहीं खेत से मृतक के कंकाल व जैकेट बरामद की थी। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी राहुल देव ने प्रेसवार्ता में बताया कि आरोपितों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि केशव की हत्या करने को लेकर लगातार रेकी की जा रही थी। केशव 27 तारीख को 8 बजकर 8 मिनट पर नीलकंठ ढाबे से अपनी इक्को ग्रे रंग की गाड़ी से निकला था। उसके बाद एक दुकान पर वह रुक गया। जहां पीछे-पीछे केशव का साला और उसका दोस्त प्रदीप उसी दुकान आ गए। जो लगातार उसकी रेकी कर रहे थे। दिनेश अपने साथी प्रदीप के साथ अपने साले की गाड़ी में बैठ गए। जहां मुरथल के कुराड़ बाईपास से होते हुए बड़ी इंडस्ट्री एरिया में पहुंचे। वहां खाली जगह देखकर पीछे से केशव का गला दबा दिया और उसकी हत्या कर दी।

उसके बाद केशव के शव को उसी की गाड़ी में पीछे डाल दिया। उसके बाद एक गाड़ी को खुद चला कर खेती तगा के गन्ने के खेतों में जैकेट उतार कर फेंक दिया। वहीं खेत में दूसरे कोने पर केशव की जैकेट डाल दी। उसके बाद केशव की इक्को गाड़ी को पानीपत के राक्सेडा गांव के नजदीक छोड़ दिया था।

कंकाल बरामद

ली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस के सामने खुलासा किया कि केशव की हत्या रस्सी से गला दबाकर की थी। उसके बाद शव को खुर्द-बुर्द करने के लिए ईंख के खेत में डाल दिया था। करीब तीन महीने तक खेत में शव कंकाल के रूप में तब्दील हो गया। पुलिस ने वारदात स्थल से जैकेट बरामद व कंकाल बरामद किया था। वहीं 30 दिसंबर को पानीपत में पुलिस द्वारा एक गाड़ी को रिकवर किया गया। गाड़ी के नंबर से पहचान की गई। उसके बाद परिजनों को सूचना दी गई थी।

जीत पर भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल के लड्डू बाटकर खुशी मनाते।

लड्डू बांटकर भाजपा की जीत का जश्न मनाया

राई। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत त्यागी ने अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया और लड्डू बाटकर खुशी मनाएं । पुनीत त्यागी ने भाजपा की जीत पर खुशी व्यक्त करते कहा कि दिल्ली में पहले से ही तय था कि आपदा जाएगी और भाजपा पूर्ण बहुमत से आएगी। दिल्ली की जनता को पता है कि दिल्ली का विकास तभी हो सकता था जब भाजपा की सरकार दिल्ली में बनेगी और चुनाव परिणामों ने भी तय कर दिया है कि जनता ने पहले ही मूड बना रखा था । पुनीत त्यागी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को चुनाव परिणाम से पहले ही हार के डर से वे उलटे-सीधे बयानबाजी कर रहे थे । आप दिल्ली चुनाव में बुरी तरह हारी है यहां तक कि उनके बड़े नेता भी चुनाव हार गए हैं। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष तीरथ राणा , सतपाल त्यागी, राजेश त्यागी, राम प्रकाश कौशिक, सुंदर जठेड़ी, अमरीश त्यागी, विकास डबास, राकेश कौशिक, राकेश त्यागी ,नरेश पांचाल, सतीश वाल्मीकि, नरेश कौशिक, अशोक कौशिक ,मोहित दहिया ,राजेश आंतिल आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भाजपा सरकार जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्धः आंतिल

राई। हनी खेल अकादमी में दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर भाजपा नेता मास्टर सतनारायण आंतिल के नेतृत्व में लड्डू बाटकर खुशी मनाई। मास्टर सत्यनारायण आंतिल ने इस जीत को ऐतिहासिक बताते हुए इसे पार्टी के लिए नए युग की शुरुआत कहा। सभी ने संकल्प लिया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। मास्टर सत्यनारायण ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए काम करती है। दिल्ली में भाजपा सरकार लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इसी जोश और समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाएं और समाज सेवा में जुटे रहें। मास्टर सत्यनारायण आंतिल ने कहा कि दिल्ली और दिल्ली की जनता के दिलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस गए हैं। यह इन चुनावों के नतीजों ने भी साबित कर दिया है।

जीत की खुशी में पुनीत त्यागी कार्यालय में लड्डू बाटकर खुशी मनाते हुए ।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में कार्यक्रम के दौरान मौजूद छात्राएं।

हैप्पी चाइल्ड स्कूल में मनाया पारितोषिक वितरण समारोह

सोनीपत। हैप्पी चाइल्ड वमावि में शनिवार को पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जो विद्यालय के अध्यक्ष नरेंद्र बाल्यान ने किया। जिसमें उनका साथ सुदेश बाल्यान व निदेशक तमन्ना निझावन ने निभाया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के द्वारा हुआ। इसके बाद स्लॉट वाइज पारितोषिक वितरण कार्यक्रम के साथ-साथ रंगारंग कार्यक्रमों की झड़ी लगी रही। विद्यालय अध्यक्ष नरेंद्र बाल्यान ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन पुरस्कार राशि दी। इस अवसर पर विद्यालय में कलाकारों को अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान हवन यज्ञ करते हुए।

विदाई पार्टी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नृत्य और गायन कार्यक्रम

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में शनिवार को विदाई पार्टी समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बारहवीं कक्षा के छात्र- छात्राओं को एक यादगार विदाई दी गई। विदाई पार्टी वह क्षण होता है जब एक विद्यार्थी अपने विद्यालय के समस्त जीवन काल को याद कर अपने अध्यापकों का आभार प्रकट करता है और अपने भावी जीवन के सुनहरे सपनों को संजोए अपने कैरियर की नई शुरुआत की ओर कदम रखता है। इस अवसर पर बालकों ने शानदार नृत्य व गायन के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय के अध्यक्ष नीरज शर्मा तथा निदेशिका रीमा शर्मा ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विद्यार्थियों को सम्मानित करते विद्यालय अध्यक्ष।

सोनीपतः ऋषिकुल विद्यापीठ में जूनियर्स ने सीनियर्स को दी विदाई

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत में आयोजित विदाई पार्टी में कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें विद्यालय के चेयरमैन, प्रबंधक, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और जूनियर विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के पावन प्रांगण में हवन से हुई। तत्पश्चात सरस्वती वंदना और मधुर मंत्रोच्चारण हुआ। इसके बाद बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव सांझा किए और शिक्षकों व स्कूल प्रबंधन को धन्यवाद दिया। जूनियर्स ने भी मनमोहक नृत्य, गायन प्रस्तुत किया तथा आकर्षक शीर्षक प्रधान कर अपने सीनियर्स को यादगार विदाई दी।

जैन विद्या मंदिर में विदाई समारोह का आयोजन

सोनीपत। जैन विद्या मन्दिर सीनियर सैकेंडरी विद्यालय में सत्र 2024-25 के 12वीं कक्षा के छात्रों को विदाई पार्टी दी गई। विद्यालय प्रधान राकेश जैन व प्राचार्या डॉ. नीरू ने उत्साहवर्द्धक शब्दों से सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। 11 वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के लिए शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यार्थियों के लिए अनेक खेलों का भी आयोजन किया गया। 12 वीं कक्षा के छात्रों द्वारा रेम्प वॉक भी की गई। इस दौरान मिस्टर फेयरवैल युवराज, मिस फेयवैल अंशुल, स्टार ऑफ दा डे अवि, बेस्ट ड्रामेबाज अभिषेक, बेस्ट आर्टिस्ट करिश्मा, मिस्टर हैंडसम जैद, स्टूडैंट ऑफ द ईयर वैभव को चुना गया। विद्यालय के प्रधान राकेश जैन, प्रबंधक कमेटी के सदस्यों तथा प्राचार्या ने विद्यार्थियों को परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राई। विधायक कृष्णा के कार्यालय में कार्यकर्ता लड्डू बांटकर खुशियां मनाते हुए ।

भाजपा की प्रचंड जीत पर लड्डू बांटकर मनाया जश्न

राई । दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत पर राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत के कार्यालय में शनिवार को कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर मोहर लगाई है, जिससे अब दिल्ली के विकास को नये आयाम मिलेंगे। विधायक कृष्णाब गहलावत के कैंप कार्यालय में उनके निर्देशन में कार्यकर्ता एकजुट हुए। विधायक स्वयं दिल्ली थी, जहां से उन्होंने कार्यकर्ताओं को संदेश प्रेषित करते हुए जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली और दिल्ली की जनता के दिलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बस गए हैं। यह इन चुनावों के नतीजों ने भी साबित कर दिया है। दिल्ली की जनता ने आप के झूठ को नकारते हुए भाजपा के सच को स्वीकार किया है। दिल्ली की जनता विकास चाहती है, जिसने आप को लगातार मौका दिया किंतु जनता को सिर्फ झूठे वायदे ही मिले। अब प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशन में दिल्ली के विकास को नई बुलंदियों पर पहुंचायेंगे। विधायक कृष्णाव गहलावत के प्रेस सचिव योगेश पाराशर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नाचते-गाते हुए भाजपा की जीत की खुशी मनाई। प्रेस सचिव ने कहा कि दिल्ली के विधानसभा चुनावों में विधायक कृष्णाक गहलावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जी-तोड़ मेहनत की, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा की जीत का तोहफा मिला है। कार्यकर्ताओं ने दिल्ली चुनावों में घर-घर जाकर और नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से भाजपा के लिए प्रचार-प्रसार किया।

छात्राओं को वैदिक साहित्य का महत्व समझाया

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां के संस्कृत विभाग में शनिवार को विस्तारक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को वैदिक साहित्य का महत्व बताया गया। विषय विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो0. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए वैदिक साहित्य में आरण्यक एवं उपनिषद ग्रन्थों की उपयोगिता एवं महत्व विषय पर व्याख्यान दिया और छात्राओं को वैदिक साहित्य की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रो. मिश्र ने अपने व्याख्यान में विद्या-अविद्या, सम्भूति-असम्भूति, यमराज-नचिकेता आख्यान, आत्मा के स्वरूप एवं मृत्यु के रहस्य को बड़ी गहनता से स्पष्ट किया। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीलेखा चौबे ने मुख्य वक्ता का अभिनंदन किया। भाषा एवं कला संकाय के अध्यक्ष डॉ0. अशोक वर्मा ने छात्राओं को प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में वर्णित आर्य संस्कृति एवं उनमें निहित विशिष्ट ज्ञान को ग्रहण करने एवं व्यवहार में उसे उतारने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम...सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी...
पता...तहसील ....पिन.....................
जिला .... फोन नं. .... एजेंट का नाम ....

सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
मास्टर कूपन	मास्टर कूपन	मास्टर कूपन
मास्टर कूपन	मास्टर कूपन	मास्टर कूपन

नियम व शर्तें **हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 -** 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ▸▸| **बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा।** ▸▸| योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ▸▸| **हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है।** ▸▸| फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होंगे। ▸▸| राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ▸▸| हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ▸▸| यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ▸▸| वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ▸▸| हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ▸▸|किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ▸▸| चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ▸▸| हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ▸▸| प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ▸▸| पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ▸▸| किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ▸▸| अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ▸▸| ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ▸▸| विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ▸▸| प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ▸▸| सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
सेठी न्यूज एजेंसी, रेलवे रोड, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

खबर संक्षेप

देवकुल सदन का वार्षिक उत्सव समारोह आज

गन्नौर। ललहेड़ी रोड स्थित देवकुल शिक्षा सदन का वार्षिक उत्सव आज रविवार 9 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा। वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि बीईओ आजाद सिंह दहिया, सुशील त्यागी (प्रेसिडेंट हुसा गनौर) होगें। यह जानकारी स्कूल के प्रबंधक नीरज ने दी।

महलाना में शुरू किया गया सात दिवसीय शिविर

सोनीपत। टीका राम कन्या महाविद्यालय में शनिवार को एनएसएस की यूनिट 1 और 2 द्वारा सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ गांव महलाना में किया गया। कॉलेज प्राचार्या गीता द्वारा हरी झंडी दिखाकर सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया। प्राचार्या ने छात्राओं को अनुशासन में रहने का संदेश देते हुए उन्हें समाज कल्याण के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्वयंसेविकाओं ने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली। इस अवसर पर एनएसएस की संयोजिकाएं दीपशिखा व डॉ. आशा रानी भी मौजूद रही। शिविर में 107 स्वयंसेविकाओं की भागीदारी रही। शिविर के प्रथम दिवस पर महलाना गांव के स्कूल में राजबीर सिंह, राजेंद्र व सुनील ने स्वयंसेविकाओं को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए उनका पालन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक किया तथा उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी।

छात्राओं ने संग्रहालय का भ्रमण किया

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा इतिहास की 45 छात्राओं को सोनीपत के कोट मोहल्ले में स्थित स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने बताया की हमे अपने देश और प्रान्त के साथ साथ अपने जिले का इतिहास भी पता होना चाहिए। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. नवीन वशिष्ठ भी साथ रहीं।

दिल्ली फतह पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

कैबिनेट मंत्री डॉ शर्मा बोले, दिल्ली की जनता ने निभाया वायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी यमुना मां के श्राप व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के सामने फेल हो गए हैं। वर्ष 2020 में उन्होंने खुद कहा था कि यदि वो यमुना की सफाई सुनिश्चित न कर पाएं तो दिल्ली की जनता उन्हें वोट न करे। आज दिल्ली की जनता ने अपना वायदा निभा दिया है।

शनिवार को गोहाना में छोटूराम चौक पर सिग्मा एजुकेशन एंड इमिग्रेशन कंसल्टेंट कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता-जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर भरोसा और अरविंद केजरीवाल की डर व भ्रम की राजनीति पर अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के विकास को 11 साल तक महज इसलिए रोकने का काम किया, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विकास का श्रेय न देना पड़े।

गोहाना। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

दिल्ली ने भाजपा की कल्याणकारी नीतियों पर लगाई मुहर

गोहाना। बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान ने कहा कि दिल्ली के चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत मिली है। चुनाव में जीत दिलाकर दिल्ली की जनता ने भाजपा की नीतियों पर अपना भरोसा जताया है। प्रदीप चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग खुश है। पूरे विश्व में पीएम नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र का नाम ऊंचा किया है। भारत नई बुलंदियों को छू रहा है। भाजपा को इसीलिए दिल्ली में प्रचंड बहुमत मिला है। इस मौके पर उनके साथ जिला मीडिया सह प्रभारी डॉ. राममेहर राठी, मुंडलाना मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र नंबरदार जवाहरा, जितेन्द्र शर्मा, सूरत सिंह, राजेश भावड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमबीर वत्स, रामनिवास सांगवान, जगदीप सांगवान, रविन्द्र मोर, सोनू मलिक, मंगलीराम, सत्यवान आर्य, डॉ. देवेन्द्र व विकास आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत पर खुशी मनाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग्य नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम : योगेश कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर गन्नौर के सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने भाजपा युवा नेता योगेश कौशिक के नेतृत्व में लड्डू बाटकर खुशी को । भाजपा युवा नेता योगेश कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा कि यह जीत पार्टी की नीतियों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी के झूठे वादों पर विश्वास नहीं किया और पिछले 10 वर्षों में दिल्ली की दुर्गति करने वाली आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को पूरी तरह नकार दिया है। यह जीत जनता का भाजपा पर अटूट विश्वास और प्रधानमंत्री मोदी जी की विकासवादी नीतियों की जीत है। दिल्ली के लोगों ने भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और झूठी राजनीति को अस्वीकार कर विकास के पक्ष में वोट दिया है। कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से /"सबका साथ, सबका विकास/" की नीति पर कार्य करती रही है, और दिल्ली की जनता ने इस पर भरोसा जताते हुए भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाया। भाजपा नेता विद्या भूषण हसीजा ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत, भाजपा सरकार की पारदर्शी नीतियों और प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व की जीत है। दिल्ली की जनता ने भाजपा पर जो विश्वास जताया है। इस मौके पर राहुल कौशिक व अन्य मौजूद रहे।

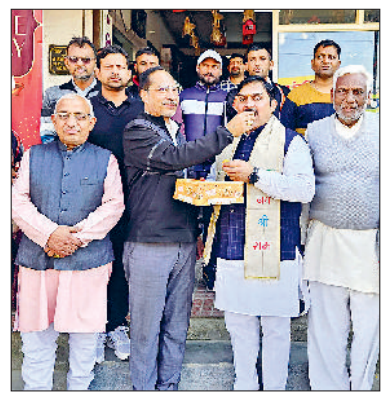

गन्नौर। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत पर भाजपा युवा नेता योगेश कौशिक के नेतृत्व में लड्डू बाटकर खुशी मनाते हुए ।

कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक को दी बधाई

गन्नौर। दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक के आवास पर पहुंच कर उन्हें बधाई दी। देवेंद्र कौशिक ने जीत का श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि 12 साल के कार्यकाल में अरविंद केजरीवाल सरकार में दिल्ली को पीछे धकेल दिया। वहीं हरियाणा में भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार तीसरे कार्यकाल में हो रहे विकास को देखते हुए दिल्ली की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाया। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा की तर्ज पर दिल्ली में विकास होगा।

गोहाना। चेयरपर्सन रजनी विरमानी का सम्मान करते हुए वार्डवासी।

सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हमारी जिम्मेवारी : रजनी

गोहाना। नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने कहा कि हमारी संस्कृति ही विश्व में हमें नई पहचान दिलाती है। हमारी संस्कृति जितनी अधिक मजबूत होगी विश्व पटल पर हमारी पहचान भी उतनी ही मजबूत होगी। ऐसे में अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हमारी जिम्मेवारी है। वे शनिवार को वार्ड संख्या 2 में पाबू जी राठौर के स्मृति द्वार का शिलान्यास कर रही थीं। वार्ड 2 में पाबू जी राठौर का मंदिर है। नगर परिषद द्वारा मंदिर के समीप पाबू जी राठौर की स्मृति में एक स्वागत द्वार का निर्माण करवाया जाएगा। नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने शनिवार को इस द्वार के शिलान्यास के साथ वार्ड में एक गली निर्माण का भी शुभारंभ किया। नगर परिषद द्वारा द्वार के निर्माण पर 9 लाख रुपये जबकि गली निर्माण पर 8 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। नगर परिषद द्वारा द्वारा शहर के सौंदर्यकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। परिषद द्वारा शहर में अनेक महान विभूतियों के स्मृति द्वार भी बनवाए गए हैं। इनमें सोनीपत रोड पर संत कबीर द्वार, रोहतक रोड पर दक्ष प्रजापति द्वार, राजकीय महाविद्यालय मोड पर गुरु सुदर्शन द्वार, मुगलपुरा में गुरुद्वारा सिंह सभा द्वार और अब वार्ड 2 में पाबू जी राठौर का स्मृति द्वार का निर्माण करवाया जाएगा।

कला एकीकरण पर आधारित कार्यशाला में शिक्षकों को किया जागरूक

■ चेयरमैन राकेश यादव , निदेशिका पूजा पहल प्रधानाचार्य यशपाल ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

खेड़ी रोड स्थित बी आर ग्लोबल विद्यालय में कला एकीकरण पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य शिक्षण को अधिक रोचक, व्यावहारिक और रचनात्मक बनाना है, जिससे छात्रों का समग्र विकास हो सके।कार्यशाला का मुख्य प्रतिनिधित्व संगीता महेश्वरी तथा धीरज बरेजा द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत कला को गणित, विज्ञान, इतिहास और भाषा जैसे विभिन्न विषयों से जोड़ा जाएगा। छात्रों को पेंटिंग, नाटक, संगीत और नृत्य जैसी कलाओं के माध्यम से कठिन विषयों को सीखने का अवसर मिलेगा। यह दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो शिक्षा में रचनात्मकता और व्यावहारिकता को प्रोत्साहित करता है।विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल प्रधानाचार्य यशपाल व अन्य शिक्षकगण ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि आर्ट इंटीग्रेशन केवल एक शिक्षण तकनीक नहीं है, बल्कि यह बच्चों की कल्पनाशीलता, विश्लेषणात्मक सोच और आत्म-प्रकाशन के कौशल को विकसित करने का एक प्रभावी तरीका है। इस पहल के तहत विशेष कार्यशालाएं, कला प्रदर्शन और प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग को भी बढ़ावा दिया जाए व शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए।

कला एकीकरण पर आधारित कार्यशाला मुख्य प्रतिनिधित्व संगीता महेश्वरी के साथ शिक्षक ।

प्रदर्शनी में अपने मॉडलों को दर्शाते हुए ओम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शनी में वर्किंग मॉडल प्रस्तुत कर दिखाई प्रतिभा

गोहाना। गोहाना-जींद मार्ग स्थित ओम पब्लिक स्कूल में शनिवार को एक्सट्रा वैगेंजा-2 मॉडल प्रर्दशनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में कक्षा छठी से कक्षा 8वीं तक के 638 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता कर वर्किंग मॉडल प्रस्तुत करके अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया और विशिष्ठ अतिथि जनस्वास्थ्य विभाग में अभियंता नवीन गोयत रहे। अध्यक्षता स्कूल की एमडी निर्मल लाठर ने की। संयुक्त संयोजन प्राचार्य डॉ0. मनजीत खासा व उप-प्राचार्या रेखा बजाज का रहा। प्रर्दशनी में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर व कला विषय से संबंधित 94 मॉडल प्रस्तुत किए गए। अंग्रजी विभाग के सभी मॉडल हॉरर एवं मैजिक, हिन्दी में विशेष रूप से महाभारत युद्ध में हुए भीष्म-अर्जुन संवाद, वीर शहीदी दिवस, कारगिल युद्ध तथा गणित विषय में फन विद नंबर्स, सामाजिक विज्ञान में राखी गढ़ी के संग्रहालय, कंप्यूटर विभाग में लैन, मैन, वैन, फायर सिक्योरिटी सिस्टम, स्टार टोपोलोजी, इनपुट, आऊटपुट विद ब्लूटूथ स्पीकर तथा साइंस में लेयर्स ऑफ एटमोस्फीयर, लाइटनिंग कन्डक्टर और ग्रीन हाऊस थीम पर आधारित थे। इस अवसर पर अभिभावकगण भी मौजूद रहे।

राहत : नागरिक अस्पताल एक्स-रे मशीन हुई ठीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में एक्स-रे मशीन का एक्सपोजर खराब होने के कारण करीब पांच दिन से एक्स-रे नहीं हो पा रहे थे। शनिवार को अस्पताल में पहुंचे इंजीनियर ने कई घंटों तक मशीन को ठीक करने के लिए माथापच्ची की। जिसके बाद मशीन को ठीक कर दिया गया। शनिवार को ओपीडी समय समाप्त होने के चलते किसी के एक्स-रे नहीं हो पाएं। सोमवार को ओपीडी खुलने के बाद एक्स-रे सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध होगी। बता दें कि जिला नागरिक अस्पताल में एक्स-रे मशीन में बार-बार खराबी आ रही है। जिसकी वजह से अस्पताल में आने वाले मरीजों को एक्स-रे न होने से परेशानी हो रही है। अस्पताल प्रशासन को अवगत कराने के बावजूद उनकी परेशानी को दूर नहीं किया जा रहा है। गत मंगलवार को एक्स-रे मशीन का एक्सपोजर ठीक से काम नहीं कर रहा था। जिससे मशीन रूक-रूक कर चल रही थी। जिससे रेडियोलॉजी अधिकारियों ने उसे ठीक करने का प्रयास किया था।

नागरिक अस्पताल में स्थापित एक्स-रे मशीन।

करीब डेढ़ साल पुरानी है मशीन, हर रोज 150 से ज्यादा होते है एक्स-रे

नागरिक अस्पताल में हर रोज करीब दो हजार मरीजों की ओपीडी है। जिसमें से हर रोज 150 से ज्यादा मरीजों के एक्स-रे होते है। मंगलवार से मशीन खराब होने के चलते मरीजों को परेशानी का सामना करने पर मजबूर होना पड़ता था। मशीन करीब डेढ़ साल पुरानी हो चुकी है। जिसमें कई बार तकनीकी खराबी व चूहों की तरफ से तारें काटने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सोमवार को एक्सरे की सुविधा शुरू होगी

मशीन में बार-बार खराबी आ रही थी। मशीन को इंजीनियर की तरफ से ठीक कर दिया गया है। सोमवार से मरीजों के लिए एक्स-रे सुविधा उपलब्ध रहेगी। समय-समय पर मशीन को ठीक करवा दिया जाता है। मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।
डा. गिन्नी लांबा, कार्यकारी प्रधान चिकित्सक अधिकारी नागरिक अस्पताल।

विदाई समारोह में मिस्टर फेयरवेल रोनक व मिस फेयरवेल शिक्षा को चुना गया

गन्नौर। हैप्पी चाइल्ड इंटरनेशनल स्कूल में बारहवीं कक्षा के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रधानाचार्या उषा मलिक ने विद्यालय प्रबंधक सुनील नागपाल व संजय नागपाल का बुके देकर स्वागत किया। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को टाइटल देकर सम्मानित किया। ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों के लिए कई प्रतियोगिताएं रखी गई। इसमें मिस्टर फेयरवेल रोनक व मिस फेयरवेल शिक्षा को चुना गया और मिस्टर पर्सनेलिटी सक्षम व मिस पर्सनेलिटी वंशिका को बनाया गया। मिस्टर एच. सी.आई.एस आस्तिक और मिस एच.सी.आई.एस. उर्वशी को चुना गया । इस मौके पर शिक्षक भी मौजूद रहे।

विदाई समारोह में प्रधानाचार्या उषा मलिक, विद्यालय प्रबंधक सुनील नागपाल व संजय नागपाल छात्रों को सम्मानित करते

करियर मार्गदर्शन एवं एसीपी राहुल देव द्वारा विशेष कार्यशाला का भी हुआ आयोजन

शिवा शिक्षा सदन में विदाई समारोह का आयोजन, विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

शिवा शिक्षा सदन में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सोनीपत के सहायक पुलिस आयुक्त राहुल देव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। विद्यालय के प्रबंधक अरुण बंसल ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मुख्य अतिथि राहुल देव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, ईमानदारी और कड़ी मेहनत अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ड्रग्स, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अपराधों से जुड़े खतरों के प्रति सचेत किया और ड्रग एब्यूज, साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल अरेस्ट विषय पर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की। उन्होंने बताया कि नशे की लत युवाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही है और यह न केवल उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है।

कई बार युवा दोस्ती के दबाव में या कूल दिखने की चाह में नशे की लत में फंस जाते हैं, जो धीरे-धीरे उनके भविष्य को बर्बाद कर देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों का सेवन कानूनी अपराध भी है, जिसके लिए सख्त सजा का प्रावधान है। छात्रों को से नो टू ड्रग की शपथ दिलाते हुए उन्होंने कहा कि स्वस्थ आदतें, नियमित व्यायाम और सही संगति ही नशे से दूर रहने के सबसे अच्छे तरीके हैं। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान की जानकारी दी और युवाओं से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर बात करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फ़िशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग और डिजिटल ट्रोलिंग जैसी समस्याओं के प्रति सचेत किया। इस अवसर पर विद्यालय में क्यू एंड आई के सहयोग से आईआईटीएंस व एनआईटीएंस और अनुभवी चिकित्सकों द्वारा ऑन-कैंपस कक्षाओं की सुविधा को भी रेखांकित किया, जिसमें एडाप्टिव एआई प्लेटफॉर्म और शिवाचार्यों द्वारा विशेष बोर्ड परीक्षा तैयारी सत्र भी शामिल हैं। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने अनुशासन, माता-पिता के मार्गदर्शन और सही वातावरण के महत्व पर जोर देते हुए कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों की मानसिक दबाव और अनुशासन की कमी जैसी चुनौतियों का उल्लेख किया।

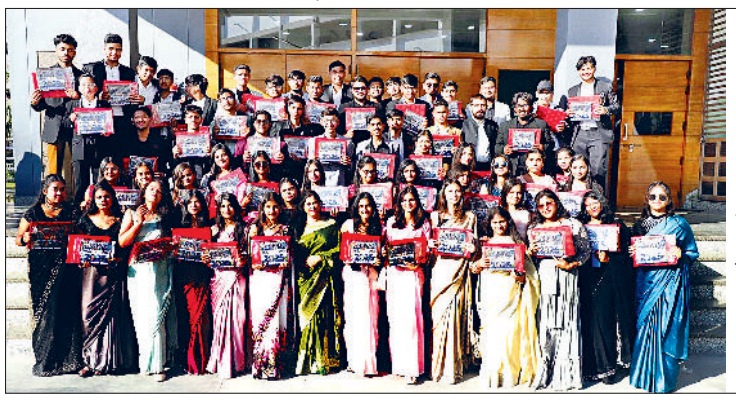

शिवा शिक्षा सदन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 12वीं के विद्यार्थी एवं विद्यालय स्टाफ।

साउथ पॉइंट स्कूल में रही फेयरवेल पार्टी की धूम, विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

■ साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

साउथ पॉइंट स्कूल में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का शानदार आयोजन किया गया। 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों की तरफ से आयोजित की फेयरवैल पार्टी में 12वीं कक्षा के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने गानों व डांस की शानदार प्रस्तुतियां देकर रंग जमा दिया।

12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को विभिन्न खिताबों से नवाजा गया। इसमें कला संकाय में गौरव मिस्टर साउथ पॉइंट व एंजल के सिर मिस साउथ पॉइंट का ताज सजा, जबकि विज्ञान संकाय के शिवम को स्टूडेंट ऑफ द ईयर के खिताब से नवाजा गया। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

फेयरवेल पार्टी में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न फन गेम्स भी आयोजित किए। साउथ पॉइंट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की और विभिन्न खिताबों से नवाजते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। साउथ पॉइंट स्कूल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा व कार्यकारी निदेशक डॉ. ममता सचदेवा ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सोनीपत। साउथ पॉइंट ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री के साथ विभिन्न खिताबों से नवाजे गए विद्यार्थी।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूपः इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरसः कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्टय का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेमः कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधनः प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौरः प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंटः एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएंः जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकतः बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉनेः रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

व्लादिमीर नबोको-वेराः व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़स हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'* (तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तकः कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिकाः डॉ. रचना तिवारी, मूल्यः199 रु, प्रकाशकः सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

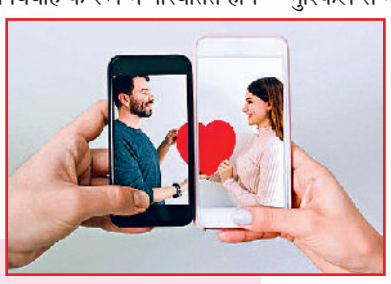

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमताः इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

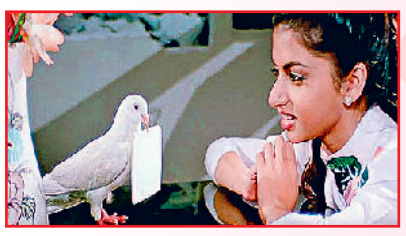

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिकाः हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमालः बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोगः ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूपः बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशाः साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजनः अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किलः हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फीः अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेराः ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *